भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 288 का उत्तर

उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) में सभी रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास

288. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र के उस्मानाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए चल रही और प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में, विशेषकर उस्मानाबाद में बेहतर रेल संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में नई रेलगाड़ी चलाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) में सभी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर के अतारांकित प्रश्न सं. 288 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय में यथा आवश्यक सुधार, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि जैसी रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान आवश्यकता चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार रेलवे स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, 'रूफ प्लाजा' और दीर्घावधि रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1324 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र का उस्मानाबाद रेलवे स्टेशन भी शामिल है। उस्मानाबाद

s.k

स्टेशन पर निविदाएं प्रदान की गई हैं और स्टेशन बिल्डिंग, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म सरफेसिंग आदि के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

बहरहाल, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का है, जिसमें यात्रियों और गाड़ियों की सुरक्षा शामिल है और इसके लिए अग्नि संबंधी स्वीकृति, धरोहर, वृक्षों की कटाई, हवाई अड्डे की स्वीकृति आदि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। उपयोगिताओं (जल/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइनें, बिजली/सिग्नल केबल आदि शामिल हैं) अतिलंघन का स्थानांतरण यात्री आवाजाही में बाधा डाले बिना गाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज विद्युत लाइनों के निकट किए गए कार्यों में गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रगति प्रभावित होती है और ये कारक समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास करना एक सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किया जाता है। बहरहाल, स्टेशनों के उन्नयन/विकास/पुनर्विकास के लिए कार्य को स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है।

(ख): रेल परियोजनाओं को राज्य-वार/केंद्र शासित-वार/क्षेत्र-वार/ जिला-वार स्वीकृत नहीं किया जाता है, क्योंकि भारतीय रेल नेटवर्क विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ हो सकता है।

s.k

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उस्मानाबाद सहित भारतीय रेल में 44,488 कि.मी. कुल लंबाई और लगभग 7.44 लाख करोड़ रु. लागत वाली 488 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण), योजना/अनुमोदन/निष्पादन के चरण में हैं, जिनमें से 12,045 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक लगभग 2.92 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	11,527 करोड़ रुपये प्रति वर्ष	-
2024-25	67,199 करोड़ रुपये (प्रस्तावित)	लगभग 5.8 गुना

भारतीय रेल में नई लाइन कमीशनिंग, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण के कार्य का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:-

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशन की तुलना में वृद्धि
2009-14	7,599 किमी.	4.2 किमी. प्रति दिन	-
2023-24	5,309 किमी.	14.54 किमी. प्रति दिन	3.5 गुना

(ग) और (घ): वर्तमान में, उस्मानाबाद स्टेशन 09 जोड़ी नियमित रेलगाड़ियों से सेवित किया जा रहा हैं, जो मुंबई, पुणे, नागपुर आदि महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ती हैं। इसके

s.k

अलावा, यात्रियों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए 05 जोड़ी विशेष गाड़ियों का ठहराव भी दिया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल में नई रेलगाड़ियाँ शुरू किया जाना एक सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता इत्यादि के अध्यधीन है।

*****

s.k